अनुक्रमांक   मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

नाम ____

102   302(ZH)

2020

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट   **पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

खण्ड–क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल द्वारा लिखित कृति है :

   (i) पुनर्नवा

   (ii) पृथिवीपुत्र

   (iii) आलोक पर्व

   (iv) धरती के फूल

(ख) पी. जी. सुन्दर रेड्डी लेखक हैं : 1

   (i) सदाचार की ताबीज

   (ii) साहित्य का श्रेय और प्रेय

   (iii) मेरे विचार

   (iv) मंथन

(ग) यशपाल कृत 'सिंहावलोकन' रचना की विधा है : 1

   (i) आत्मकथा

   (ii) रेखाचित्र

   (iii) संस्मरण

   (iv) कहानी

(घ) 'निराला की साहित्य साधना' के लेखक हैं : 1

   (i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

   (ii) महादेवी वर्मा

   (iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

   (iv) डॉ. राम विलास शर्मा

(ङ) आलोचनात्मक कृति 'साहित्य सहचर' के लेखक हैं :

   (i) रामचन्द्र शुक्ल

   (ii) श्यामसुन्दर दास

   (iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

   (iv) हरिशंकर परसाई

(क) हिन्दी साहित्य का प्रथम कवि माना जाता है : 1

(i) शबरपा

(ii) देवसेन

(iii) सरहपा

(iv) खुमाण रासो

(ख) 'नई कविता युग' की रचना है : 1

(i) यामा

(ii) खुशबू के शिलालेख

(iii) प्रलय–सृजन

(iv) पुरूरवा

(ग) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है :

(i) 1954

(ii) 1943

(iii) 1938

(iv) 1936

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा प्रकाशित पत्रिका है :

(i) सरस्वती

(ii) कल्पना

(iii) कविवचन सुधा

(iv) ज्ञानोदय

...काल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है : 1

(i) राज–प्रशस्ति

(ii) शृंगारिकता

(iii) रीति–निरूपणता

(iv) नीति

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र–निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

(i) राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य प्राप्त किया है ?

(ii) राष्ट्रीय जन का जीवन भी कब तक अमर है ?

(iii) जन का संततवाही जीवन किस तरह है ?

(iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

(v) दिए गए गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए ।

अथवा

आ गया तो उन्होंने प्राणाघाती स्नेह से उसे जकड़ कर चूर कर डाला ।

(i) 'क' किस तरह कमरे में घुसे और उन्होंने किस तरह मुझे भुजाओं में जकड़ा ?

(ii) मुझे किसके पुतले की याद आ गई ?

(iii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

(iv) धृतराष्ट्र ने भीम के पुतले के साथ क्या किया ?

(v) दिए गए गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।
जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।
जाके मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ।।

(ii) कृष्ण का सौंदर्य कैसा है ? उल्लेख कीजिए ।

(iii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

(iv) राधा की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

(v) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने,
मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल बने ?
काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,
मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

(i) 'काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ii) 'जीवन-मरु' में कौन सा अलंकार है ?

(iii) मैं किसकी कामना नहीं करता ?

(iv) रेखाङ्कित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

(v) दिए गए पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) डॉ. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ii) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) हरिशंकर परसाई 3 + 2 = 5

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए। (शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' 3 + 2 = 5

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा 80 शब्द)

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए। http://www.upboardonline.com

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्राङ्कन कीजिए।

(iv) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

http://www.upboardonline.com
Scanned with CamScanner
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com

खण्ड – ख

(क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थंयादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः
न खलु बहिरूपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते ।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुद्गते चन्द्रकान्तः ।।

अथवा

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि ।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 =

(i) हाथ कंगन को आरसी क्या ।

(ii) आँखों का तारा होना ।

(iii) पानी–पानी होना ।

(iv) सावन हरे न भादों सूखे ।

(क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) 'वधूत्सव:' का संधि-विच्छेद है :

(A) वधू + त्सव:

(B) वधूत् + सव:

(C) वधू + उत्सव:

(D) वधौ + उत्सव:

(ii) 'स्वागतम्' का संधि-विच्छेद है :

(A) स्वा + गतम्

(B) सु + आगतम्

(C) सो + आगतम्

(D) स्वाग + तम्

(iii) 'नायक:' का संधि-विच्छेद है :

(A) ना + यक:

(B) नाय + क:

(C) ने + अक:

(D) नै + अक:

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) 'सरिताम्' में विभक्ति और वचन है :

(A) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(B) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(C) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(D) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ii) 'सर्वस्मिन्' में विभक्ति और वचन है :

(A) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(B) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(C) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(D) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अविराम-अभिराम

(A) लगातार और आनन्दकर

(B) बिना रोक के या लगातार और सुन्दर

(C) अनवरत और आकर्षक

(D) सुन्दर और आकर्षक

(ii) बात-वात

(A) वार्ता और हवा

(B) रोग और दवा

(C) वायु और विकार

(D) विचार और शिकार

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) वर

(ii) द्विज

(iii) राग

निम्नलिखित वाक्यांशों [illegible] करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) जो ईश्वर में विश्वास करता है :

(A) नास्तिक

(B) स्मरणीय

(C) विश्वसनीय

(D) आस्तिक

(ii) जानने की इच्छा रखने वाला :

(A) ज्ञानी

(B) जिज्ञासा

(C) जिज्ञासु

(D) जानकार

निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) उसने तीन पुस्तकें खरीदा ।

(ii) कृपया मेरे सामानों पर ध्यान रखना ।

(iii) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(iv) एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है ।

12. (क) वीर अथवा करुण रस के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) यमक अथवा श्लेष अलङ्कार के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) चौपाई अथवा सोरठा छन्द के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को एक पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को स्कूल-यूनिफॉर्म (ड्रेस) की दुकान खोलने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए : 2 + 7 =

(i) स्वच्छता अभियान : जन जन का कल्याण

(ii) पर्यावरण-प्रदूषण और निराकरण के उपाय

(iii) बढ़ती जनसंख्या : विकास में बाधक

(iv) जीवन में सदाचार का महत्त्व

(v) मेरा प्रिय कवि